समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

30 जून से UPI यूजर्स के लिए लागू होंगे नए नियम, जानिए कौन से 2 बड़े बदलाव दिखेगें।

Publisher

Published on 09 Jun 2025

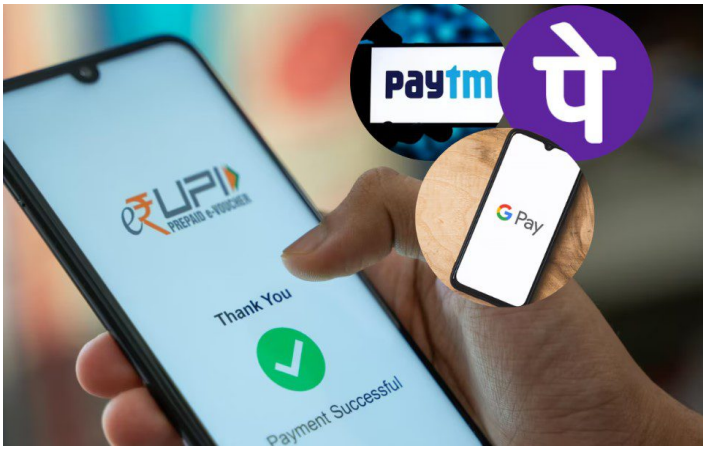

NPCI ने जारी किए UPI के नए नियम, अब पेमेटं के समय दिखाई देगी असली पहचान और बैलेसं चेकिंग की मिलेगी लिमिट।

नई दिल्ली : भारत में **UPI (यूनिफाइड पेमेट्स इंटरफेस)** का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों यूजर्स के लिए एक जरूरी खबर सामने आई है। **नेशनल पेमेट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI)** ने हाल ही में **UPI** से जुड़े दो बड़े बदलाव लागू करने का फैसला लिया है। ये बदलाव **UPI प्लेटफॉर्म** को और अधिक सुरक्षित बनाने, गोपनीयता बढ़ाने और फ्रॉड को रोकने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं।

इन नए नियमों का असर **30 जून 2025** से दिखने लगेगा। आइए जानते हैं आपको किन बदलावों के लिए तैयार रहना चाहिए।

पहला बदलाव : अब UPI पेमेटं मे अंसली नाम ही दिखाई देगा

फिलहाल जब भी आप **UPI** से किसी को पेमेंट करते हैं, तो रिसीवर का निकनेम या आपके फोन में सेव किया गया नाम दिखाई देता है। इससे फर्जी नाम और **QR कोड** फ्रॉड जैसी घटनाएं बढ़ जाती थीं।

अब नया नियम लागू होने के बाद सिर्फ बैंक में रजिस्टर्ड असली नाम ही **UPI प्लेटफॉर्म** पर दिखाई देगा। इससे यूजर्स को पता चल जाएगा कि वह सही व्यक्ति को पैसा भेज रहे हैं या नहीं।

यह नियम 30 **जून 2025 से लागू** हो जाएगा।

दूसरा बदलाव : बैलेसं चेकिंग पर लगेगी लिमिट, ऑटोपे पर भी होंगे नए नियम

1 अगस्त 2025 से **UPI यूजर्स** दिन में अधिकतम 50 बार ही बैलेंस चेक कर सकेंगे। **NPCI के अनुसार** बार-बार बैलेंस चेक करने से सर्वर पर लोड बढ़ता है जिससे पूरी **UPI प्रणाली** पर असर पड़ता है।
अब **PhonePe, Paytm, Google Pay** सहित सभी प्रमुख **UPI ऐप्स** पर यह लिमिट लागू होगी।

इसके अलावा, **UPI ऑटोपे** के नियमों में भी बदलाव किया जा रहा है।
अब **SIP, Netflix, Amazon Prime** जैसी **सब्सक्रिप्शन सर्विसेज** के लिए **UPI ऑटोपे सिर्फ नॉन-पीक ऑवर्स** में ही प्रोसेस किया जाएगा।
यह समय होगा — **सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे** तक और **शाम 5 बजे से रात 9:30 बजे** तक।

बैंकों को देना होगा बैलेसं अपडेट
अब हर **ट्रांजैक्शन के बाद बैकं यूजर्स को बैलेसं अपडेट का SMS या नोटिफिकेशन** भेजेंगे, ताकि यूजर को बार-बार बैलेंस चेक करने की जरूरत न पड़े।
यदि कोई बैंक या पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर इन नियमों का पालन नहीं करता है, तो **NPCI** उस पर सख्त कार्रवाई कर सकती है।
इसमें **API ब्लॉक करना, जुर्माना लगाना** और नए यूजर्स का ऑनबोर्डिंग रोकना जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।
सभी बैंक और **PSPs को 30 अगस्त 2025 तक NPCI** को एक गारंटी लेटर भी देना होगा।

क्यों जरूरी है ये बदलाव ?
भारत में **UPI** का उपयोग बहुत तेज़ी से बढ़ रहा है। लेकिन इसके साथ ही फ्रॉड और फर्जी पेमेंट के मामले भी सामने आ रहे हैं।
NPCI का यह कदम **UPI प्लेटफॉर्म** को और अधिक **सुरक्षित** और **पारदर्शी** बनाने की दिशा में उठाया गया है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.